कन्हार

छत्तीसगढ़ की माटी

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय न्युज लेटर
संस्करण 12(2) अप्रैल – जुन , 2022
त्रैमासिक पत्रिका

कुलपति जी की कलम से

कुलपति
अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रिय पाठकों !

विश्वविद्यालय को त्रैमासिक पत्रिका का नूतन अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हर्ष की अनुभुति हो रही है। यह पत्रिका विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का आपके समक्ष प्रस्तुत करने का एक उत्तम माध्यम हो रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सही मायनों में स्वतंत्र और समृद्ध शिक्षा नीति है। इसके क्रियान्वयन से निश्चित रूप से देश का और विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो पाएगा। जिसका कारण है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा की पहुँच, समता, गुणवत्ता, संप्रेषणीयता और उत्तरदायित्व जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषायी विविधता का संरक्षण इसे जन सरोकार से जोड़ता है जो इसकी प्रासंगिकता को कई गुना बढ़ा देता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को एक खांचे से निकाल कर एक खुला आसमान प्रदान किया है जिसके कारण विद्यार्थियों के लिए बहुत से विकल्प खुल गए हैं। जिसे विद्यार्थी एक अवसर की तरह लेकर अपने अंदर बहुत से कौशल का विकास और कई विषयों का आधिकारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेगा।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय ने छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपने क्षेत्र की अग्रणी संस्थाओं के साथ ज्ञान के आदान प्रदान के लिए एमओयू भी करना प्रारम्भ कर दिया है इस कड़ी में अभी तक अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय ने 23 एमओयू को अमली जामा भी पहना दिया है और कई अभी और होने की प्रक्रिया में है। ज्ञान की परिधि विस्तार के लिए विश्वविद्यालयों को भी अपने संसाधन और परिधि को बढ़ाने की आवश्यकता है जिसके लिए एमओयू सबसे बेहतरीन साधन है। इसके माध्यम से दो भिन्न–भिन्न विषयोंध्क्षेत्रों के संस्थान अपने ज्ञान और संसाधनों को साझा करते हैं जो दोनों के लिए फलदायी होता है। एमओयू या सहमति ज्ञापन केवल संसाधनों के क्षेत्र में ही अनुकूलता नहीं लाता बल्कि दो भिन्न संस्थाओं की संस्कृतियों को भी एकाकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका **है**।

शुभकामनाओं सहित

आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी

तृतीय दीक्षांत समारोह

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह अत्यन्त विशेष रहा । मुख्य अतिथि के रुप में उपराष्ट्रपति माननीय एम वेंकैया नायडू आभसी रूप से सम्मिलित रहे ।दीक्षातं समारोह में बतौर अतिविशिष्ट अतिथि, संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. पीके जोशी, छग के राजस्व मंत्री एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं प्रभारी मंत्री श्री उमेश पटेल, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल तथा छ.ग. के नेता प्रतिपक्ष , श्री धरमलाल कौशिक शामिल रहे , विशिष्ट अतिथि के तौर पर बिलासपुर के सांसद ,श्री अरूण कुमार साव, लोरमी के विधायक एवं कार्यपरिषद् सदस्य, श्री धरमजीत सिंह, संसदीय सचिव, सदस्य कार्य परिषद ,विधायक बिलासपुर , श्री शैलेष पाण्डेय, विधायक बेलतरा, श्री रजनीश सिंह और नगर पालिका निगम बिलासपुर महापौर, श्री रामशरण यादव उपस्थित रहे।

समारोह में विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य सहित अन्य सम्मानीय नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में आठ महानुभावो को विद्या वाचस्पति (पीएचडी) की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया। जिसमें भीखाभाई एन पटेल, डॉ. एन. एच. नाथवानी, अशोक मित्तल, सतीश जायसवाल, बोधराम कंवर, धरमजीत सिंह और श्रीमती गौरी सिंह को पीएचडी की मानद उपाधि प्राप्त हुई। दिव्यांग श्रेणी में पहली बार सर्वोच्च अंक हासिल करने वाले तीन मेधावियों को दानदाताओं की ओर से स्वर्ण (गोल्ड) मंडित पदक से सम्मानित किया गया। स्नातक स्तर पर बीए के छात्र संतोष कुमार बंजारे, बीकाम की छात्रा सोनाली गिडवानी और बीएससी की छात्रा कुमारी सालू को यह सम्मान मिला। इस समारोह में 2018–19 मे कुल 45636, 2019–20 मे 52950 तथा 2020–21 मे 70436 उपाधियॉ प्रदान की गई।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के कार्यकारणी परिषद के सदस्य बने – कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी को भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के कार्यकारनी परिषद के सदस्य नियुक्त किये गये है। इसकी जानकारी डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल, महासचिव भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली ने ई–मेल के माध्यम से पत्र प्रेषित कर किया। भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई–दिल्ली – भारत सहित भारत के निकट देशों के लगभग 1 हजार विश्वविद्यालयों का संघ है । जिसका कार्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मार्ग दर्शन, पात्रता, युवा उत्सव एवं खेल प्रतियोगिता का आयोजन कराना होता है। साथ ही यू.जी.सी. व भारत सरकार के बीच यह संस्था सेतु का कार्य करता है। ज्ञात हो कि आचार्य वाजपेयी जी पूर्व में इस संस्था के महासचिव भी रह चूकें हैं। प्रो. वाजपेयी जी का मध्य भारत के कुलपतियों में वरिष्ठतम सदस्य होने के नाते वाजपेयी जी को कार्यकारणी परिषद में दो वर्ष के लिए नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य उच्च शिक्षा परिषद की पॉचवी बैठक

छत्तीसगढ़ राज्य उच्च शिक्षा परिषद की बैठक सभाकक्ष, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री,माननीय श्री उमेश पटेल ने किया। इस बैठक में उच्च शिक्षा सचिव श्री भूवनेश यादव, आयुक्त श्रीमती शारदा वर्मा, डॉ. इन्द्रा मिश्र, पद्मश्री दबके एवं अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य ए. डी. एन. वाजपेयी सहित राज्य के समस्त राजकीय विश्वविद्यायल के कुलपति सम्मिलित हुए। बैठक के दौरान रूसा 1 और 2 के अन्तर्गत अनुमोदित महाविद्यालयों एवं राजकीयविश्वविद्यालयों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गयी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के संबंध में गठित कार्यकारणी समिति की रिपोर्ट पर चर्चा की गयी साथ ही राज्य के शासकीय महाविद्यालयों में नैक के मुल्यांकन कार्य के प्रगति एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा तथा आगामी रणनीति पर सुझाव लिये गये इस बैठक में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु व्यवस्थित प्रारूप निर्माण कर अनेक सुझाव प्रस्तुत किये । जिसमें स्थानीय कला एवं कौशल का रेखांकन, विद्यार्थियों का समग्र एवं सतत मुल्यांकन प्रतिष्ठित देशज विद्वानों के समूहों का निर्माण छ.ग. में विदेशी छात्र–छात्राओं को आकर्षित करने हेतु व्यूह रचना का निर्माण, सूचना, संचार प्रौद्योगिकी संरचना का निर्माण, उच्च शिक्षा संस्थानों में ई–गवर्नेंस का क्रियान्वयन राज्य में ग्रामीण एवं जनजातिय विश्वविद्यालय की स्थापना एवं अन्तविश्वविद्यालयीन अन्तमहाविद्यालयीन सहयोग एवं शोध को बढ़ावा देना प्रमुख था। आचार्य वाजपेयी के सुधाव को परिषद ने गंभीरता से विचार किया।

द्वितीय स्मृति व्याख्यान - शहीद नन्दकुमार पटेल शोधपीठ

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर में शहीद नंद कुमार पटेल लोक प्रशासन एवं अपराध अध्ययन शोधपीठ के द्वारा द्वितीय स्मृति व्याख्यान अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर में शहीद नंद कुमार पटेल लोक प्रशासन एवं अपराध अध्ययन शोधपीठ के द्वारा द्वितीय स्मृति व्याख्यान का आयोजन "कार्यपालिका, न्यायपालिका के मध्य अर्न्तसम्बन्ध" विषय पर विश्वविद्यालय के सभागार में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री उमेश पटेल, उच्च शिक्षा मंत्री, कौशल विकास ने अभासी माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में 25 मई के दिन को अपने जीवन का काला अध्याय माना। उन्होंने कहा कि "इस दिन मैने अपने पिता और परिवार के सदस्य को खोया परन्तु प्रदेश ने एक जन नायक नेता को खोया था"। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व आई.ए.एस. बी. के. एस. रे ने अपने सम्बोधन में कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को प्रजातंत्र के सफलता के लिए आवश्यक माना। उन्होंने इन तीनो शक्तियों के विभाजन के उद्देश्य व कार्य पर प्रकाश डालते हुए अनेक उदाहरणों से इनके मध्य अर्न्तसंबंध को सारगर्भित रूप से स्पष्ट किया। निरंकुश सत्ता भ्रष्टाचार को जन्म देती है इसलिए ये तीनों शक्तियां अलग–अलग रूप से कार्य करते हुए भी लोकतंत्र के मुख्य आधार स्तंभ है। शहीद नंद कुमार पटेल शोधपीठ के निर्देशक व शहर के समाज सेवी डॉ. विवेक वाजपेयी ने शहीद नंद कुमार पटेल के साथ मत्वपूर्ण बीतें पलों को याद किया तथा झीरम घाटी की घटना को याद कर भावविभोर हो गये। उन्होंने आज भी झीरम घाटी काण्ड के दोषियों पर उचित कार्यवाही नहीं होने पर असन्तोष जाहिर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति, आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने की उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 25 मई 2013 को जो घटनायें घटी वह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण था। सरकार के समस्त अंगों को मिलकर कार्य करना चाहिए जिससे प्रजातंत्र सुरक्षित एवं समृद्धशाली बने रहे इसी से सही मायने में जनता का शासन स्थापित होगा। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता छात्रकल्याण डॉ. एच. एस. होता ने किया। कार्यक्रम के अन्त में झीरम घाटी के समस्त शहीदों के याद में 02 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

योग विज्ञान विभाग

जवानो ने सिखा बीयू के विद्यार्थियों से योग के गुण

अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय योग विज्ञान विभाग के पी जी डिप्लोमा के विद्यार्थियों द्वारा तीन दिवसीय निशुल्क योग प्रशिक्षण का शिविर आयोजित किया गया। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएँ

तथा एसडीआरएफ प्रशिक्षण केन्द्र, परसदा (भरनी) में 8 से 10 जून तक यह शिविर आयोजित किया गया.विद्यार्थियों ने कैम्प के जवानो को आसन, प्राणायाम सूर्य नमस्कार,योगनिद्रा तथा अट्टहास के बारे में प्रशिक्षण दिया व योग के माध्यम से शारीरिक मानसिक व्याधियों से बचने के उपाय बताएं।

जन–जन मे योग

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग एवं मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में 4 मई को जन जन में योग कार्यक्रम का आयोजन ऐतिहासिक स्थल मल्हार में किया गया। यह योग कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न हुआ प्रथम चरण में प्रातः 7:00 बजे से 9:30 बजे तक योगासन बच्चों के द्वारा किया गया। दूसरे चरण में 9:30 से 11:30 तक योग विचार मंच का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति माननीय गौतम चौरडीया जी थे। अध्यक्ष, कुलपति अचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेई जी, ने अति विशिष्ट अतिथि सांसद, अरुण साहू जी, विशिष्ट अतिथि पुलिस महानिरीक्षक, रतनलाल डांगी, मस्तूरी के विधायक, डॉ. कृष्णमूर्ति बाधी, इन्दिरा गांधी ट्राइबल विश्वविद्यालय से हरेराम पांडेय, एम्स रायपुर से एसोसिएट प्रोफेसर, मृत्युंजय राठौर और श्रीमती रमा पाणि जी उपस्थित रही। कार्यक्रम समन्वयक विभागाध्यक्ष प्रो. गौरव साहू रहे। आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली भारत सरकार ने देश के 100 विश्वविद्यालयों में अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर का चयन "जन–जन के लिए योग" कार्यक्रम के लिए किया है। न्यायमूर्ति श्री गौतम चौरडिया जी ने अपने विचार प्रकट करते हुए व्यक्त किया कि "योग का अभ्यास व्यक्ति को आनंद मय बनाता है जिसके जीवन में आनंद नहीं उसका योग अधूरा होता है। मनुष्य के भावना को जितनी खोज इस पुण्य भूमि भारत में हुआ उतना विश्व के किसी अन्य देशों में नहीं हुआ। भारत की परंपरा गौरवशाली है और इसमें ना केवल शारीरिक बल्कि आत्मिक रूप से विकास की बात कही गई है। मानव जीवन को स्वस्थ और निरोगी रखने का तरीका भी योग के रूप में बताया गया।" विशिष्ट अतिथि डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने अपने विचार प्रकट करते हुए बताया कि योग का वैज्ञानिक प्रभाव शरीर व मन पर पड़ता है। माननीय सांसद श्री अरुण साव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश की गौरवशाली परंपरा में ईश्वर की कृपा और प्रकृति की कृपा जितनी इस देश में हुई उतना विश्व के किसी अन्य देशों में नहीं हुआ, हमने दुनिया को केवल दिया है। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से 100 दिन पूर्व में 100 संस्थाओं का चयन आयुष मंत्रालय ने किया यह हम सब के लिये सौभाग्य की बात है।

सृजन 2022

विश्विद्यालय शिक्षण विभाग व्दारा मार्च – 2019 उपरान्त श्रीजन का पुनः सफलतापूवर्क आयोजन किया। विश्विद्यालय की ग्यारहवे स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित किया गया। विश्विद्यालय के कुलगुरू, आचार्य अरूण दिवाकर जी माननीय कुलपति , कुलसचिव डॉ सुधीर शर्मा एवं समस्त विद्यार्थियो ,शिक्षको की गरिमामय उपस्थिति मे आयोजन सम्पन्न हुआ । प्रतियोगिता परिणाम निम्नलिखित हैः–

सृजन 2022

वर्ग	छात्र –छात्राओ के नाम	विभाग	स्थान
शार्ट मूवी	विजय एवं टीम	संगणक विज्ञान एवं अनुप्रयोग	प्रथम
	खुशी चौबे एवं टीम	फुड प्रोसेसिंग एण्ड टेक्नोलॉजी	व्दितीय
	आशुतोष जायसवाल एवं टीम	कामर्स एवं फाइनेसियल स्टडी	तृतीय
	श्राजीव रंजन एवं टीम	होटल मैनेजमेट हास्पिटालिटी	तृतीय
एकल गायन	सदाशिवनी जैसमीन	फुड प्रोसेसिंग एण्ड टेक्नोलॉजी	प्रथम
	हर्ष श्रीवास्तव	होटल मैनेजमेट हास्पिटालिटी	व्दितीय
	दिव्यांशु	संगणक विज्ञान एवं अनुप्रयोग	तृतीय
	आलोक देवागन	कामर्स एवं फाइनेसियल स्टडी	तृतीय
समूह गायन	पर्थ गुप्ता एवं टीम	कामर्स एवं फाइनेसियल स्टडी	प्रथम
	आलोक देवागन	कामर्स एवं फाइनेसियल स्टडी	व्दितीय
	दिव्यांशु	संगणक विज्ञान एवं अनुप्रयोग	तृतीय
एकल नृत्य	दिपीका रजवाडे	संगणक विज्ञान एवं अनुप्रयोग	प्रथम
	अंकिता सोनी	सुक्ष्म जीवविज्ञान एवं जैवसुचना विज्ञान	व्दितीय
	ज्योति दुबे	कामर्स एवं फाइनेसियल स्टडी	तृतीय
	खुशी चौबे	फुड प्रोसेसिंग एण्ड टेक्नोलॉजी	तृतीय
समूह नृत्य	हर्षिता गुप्ता एवं टीम	फुड प्रोसेसिंग एण्ड टेक्नोलॉजी	प्रथम
	शिवानी एवं टीम	संगणक विज्ञान एवं अनुप्रयोग	व्दितीय
	खुशी चौबेएवं टीम	फुड प्रोसेसिंग एण्ड टेक्नोलॉजी	तृतीय

सफलता पूर्वक आयोजन हेतु श्री जार्ज हैरी , डॉ पूजा पाण्डेय एवं सास्कृतिक समिति के सभी सदस्यों का अथक परिश्रम रहा।

सृजन–2022

ग्यारहवां स्थापना दिवस

स्थापना दिवस का शुभारंभ होम हवन से किया गया । तत्पश्चात् सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमे विभिन्न धर्मगुरूओ ने विश्वविद्यालय की उन्नति हेतु प्रार्थना की एवं शुभकामनाएँ दी। तत्पश्चात अटल विश्विद्यालय के 11 वे स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को नवाचार एवं विकास विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया , जिसके मुख्या अतिथि के रूप में राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उईके ने तथा उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल ने आभाषी माध्यम से स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अपनी शुभकामनाये प्रेषित की । मुख्य वक्ता के रूप में स्टार्टअप उड़ीसा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ ओंकार राय रहे । भारतीय स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक राजेश कुमार ने ए सबीआई द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के आधारभूत विकास के योगदान को रेखांकित किया। कुलपति आचार्य अरुण दिवाकरनाथ वाजपेयी ने यूनिवर्सिटी के स्थापना से लेकर अब तक के विकास के रूप रेखा को विस्तार से उल्लेखित किया । इस अवसर पर “छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया” व्याख्यानमाला शुभारम्भ हुआ।

व्याख्यान माला

1. " राष्ट्र, राष्ट्रीयता एवं युवा "

माननीय कुलपति आचार्य डॉ. अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. सुधीर शर्मा जी के सफल निर्देशन में ''राष्ट्र, राष्ट्रीयता एव युवा विषय पर विशिष्ट व्याख्यान एवं विचार संगोंष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर आदरणीय कुलसचिव महोदय द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। तत्पश्चात् कार्यक्रम के अतिथि श्री रोहित कुमार सिंह, अध्यक्ष– युवा चेतना मंच, नई दिल्ली द्वारा अपने उद्बोधन में भारत के स्वर्णम अतीत का बोध अपने ओजस्वी भाषा में वर्णित किया। उन्होने देश के युवाओं को संबोधित करते हुए युवाओं से भरी भारत भूमि में राष्ट्रीयता की भावना अपने जागृत करने का प्रयास अपने सारगर्भित उद्बोधन से किया और कहा की भारत एक राष्ट्र है तथा भारतीयता विचार धारा, जो संसार की सभी विचार धारा से सर्वश्रेष्ठ, उत्तम, सर्वोत्तम है। इसी राष्ट्रीयता का भाव लिये राम वन–वन गमन करते है, राम ही भारतीयता के परिचायक है राष्ट्रीयता ने ही सूट–बूट रहे गांधी को अपने देश, लोगों और व्यवस्थाओं के प्रति चिंतन कर महात्मा बना दिया। जिनके द्वारा जगह–जगह सुशासन हेतु राम राज्य की बाते स्वीकार्य की गई है। श्री रोहित जी ने उपस्थित लोगो से भारत के गौरव, प्रतिष्ठा को पुनः स्थापित कर भारत को सोने के चिड़िया, विश्वगुरू बनाने का आवाहन एवं वैदिक गणित का प्रचार होने की आवश्यकता पर जोर दिया। विचार गोष्ठी के क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय ने अपने उदबोधन में मुख्य वक्ता की बातो को और स्पष्टता से रखा और राष्ट्र क्या है?, राष्ट्रीयता क्या है? इसे कैसे आज के युवा अपने जीवन में आत्मसात कर सकते है, जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किया। उन्होने आध्यात्म एवं जीवन मूल्यों का राष्ट्रवाद में महत्व पर अपने विचार व्यक्त किया साथ ही उन्होने कहा की हमारे प्राचीन ऋषियों के ''वासुदैव कुटुंबकम, सम–गच्छामी एवं सर्वे भवंतु सुखिना का विचार कही और नहीं भारत में है ऐसे विचारों को वर्तमान युग की सार्थकता से परिचय कराया। इसके साथ ही संक्षिप्त रूप में स्वामी जी के उत्कृष्ठ कार्यो का परिचय साझा किया। कार्यक्रम के अगले चरण में मुख्य अतिथि ''स्वामी श्री अभिषेक ब्रम्हाचारी जी' ने विश्वविद्यालय परिवार के समक्ष संस्कृत में वैदिक गान के माध्यम से अपना शुभाशीर्वाद प्रदान किया। स्वामी जी ने अपने विचारो में भारत की क्षेत्रीय, भाषा, ज्ञान, विचार, संस्कृति एवं अनेक विविधता में एकता विषय को समाहित किया। उन्होने बताया कि किस प्रकार पूर्व से ही भारत के नागरिकों एवं महापुरूषों ने समय पर अपनी जाति, धर्म, संप्रदाय, क्षेत्र एवं लिंगभेद से उपर उठकर राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। लार्ड मैकाले एवं उनके द्वारा अनुमोदित ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली का भारतीयों पर हुए प्रभावों का वर्णन किया और कहा की व्यक्ति का व्यक्तित्व ही देश, समाज और राष्ट्र निर्माण की दिशा तय करता है।

2.एनईपी-2020: ट्विनिंग, संयुक्त और दोहरी डिग्री

मानव संसाधन विकास केंद्र, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय और अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से ट्विनिंग, संयुक्त और दोहरी डिग्री पर वेबीनार का आयोजन किया गया है। प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी, माननीय कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर वेबिनार में मुख्य अतिथि थे।

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रो राजेश कुमार दुबे, निदेशक, एचआरडीसी, जेएनवीयू जोधपुर ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन का उपयोग कर प्रतिभागियों को वेबिनार का परिचय दिया है। उन्होंने राज्यवार पंजीकृत प्रतिभागियों के आंकड़े भी प्रस्तुत किए। वेबिनार के लिए पंजीकृत प्रतिभागियों की कुल संख्या 400 थी और वेबिनार में 164 प्रतिभागियों ने भाग लिया।वेबिनार के मुख्य अतिथि प्रोफेसर वाजपेयी ने जुड़वां डिग्री, संयुक्त डिग्री और दोहरी डिग्री की अवधारणा पर विस्तार से बताया है। उन्होंने इन डिग्रियों की नींव और जरूरतों पर विस्तार से चर्चा की है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की डिग्रियों से विदेशी संस्थानों के साथ शैक्षिक सहयोग बढ़ेगा और इससे शिक्षा का वैश्वीकरण होगा। कार्यक्रम के अंत में वेबिनार की संयोजक डॉ. रश्मि गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

3.इन्नोवेशन एंड सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर 6 जून 2022 को डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड फाइनेंशियल स्टडीज एवं डिपार्टमेंट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड हॉस्पिटैलिटी द्वारा स्पेशल लेक्चर "इन्नोवेशन एंड सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट" कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर अजय कुमार सिंह, एवं प्रोफेसर सत्येंद्र सिंह साथी कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय कुलपति आचार्य एडीएन बाजपेई उपस्थित रहे, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ अजय कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में इनोवेशन एवं सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्रैक्टिस के बारे में अनेक बातें बच्चों को बताई ।उन्होंने विश्व की संस्थाओं द्वारा सस्टेनेबल डेवलपमेंट की फील्ड में दिए गए गोल्स, मिशन, एवं स्टेप्स के बारे में बताया। साथ ही भारत में स्टार्टअप कल्चर, इनोवेशन, मिशन 2025, मिशन 2030, एवं मिशन 2050 के बारे में अनेक जानकारियां दी, प्रोफेसर सत्येंद्र कुमार जी ने अपने व्याख्यान में सस्टेनेबल डेवलपमेंट एवं उस फील्ड में कार्य करने के अनेक अवसरों के बारे में बताया, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा "छात्र छात्राएं एवं हम सभी किस प्रकार इनोवेशन एवं सस्टेनेबल डेवलपमेंट के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं , हमें डेवलपमेंट के साथ किन चीजों का ध्यान रखना चाहिए, किस प्रकार हम विश्व संस्थाओं द्वारा दिए गए गोल्स, मिशन पर कार्य कर सकते हैं विषय पर जानकारी दी।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयो की नियमित गतिविधियो :–

क्रं	दिनांक	गतिविधियॉ
01	13 अप्रैल 2022	आजादी का अमृत महोत्सव की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक एवं अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में रन फार फिट–बिलासपुर हॉफ मैराथन का आयोजन।
02	18 अप्रैल से 1 मई 2022	रासेयो अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय एवं योग विज्ञान विभाग द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर 30 दिवसीय आनलाईन योग प्रशिक्षण आयोजन।
03	04.05.2022	धर्मनगरी मल्हार मे योगोत्सव कार्यक्रम।
04	18 मई, 2022	मल्हार मे पुरातात्विक सर्किल रायपुर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस का आयोजन।
05	21 मई से 27 मई, 2022	सम्राट पृथ्वीराज चौहान डिग्री कॉलेज बागपत (उ.प्र.) में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर।
06	25 मई से 31 मई, 2022	राजा एन.एल.खान महिला महाविद्यालय,पश्चिम मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल) में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर।
07	21 मई से 27 मई, 2022	पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर।
08	28 मई, 2022	महवारी : स्वच्छता दिवस पर वेबीनार का आयोजन।
09	01 जून 2022	विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन।
10	03 जून, 2022	''आजादी का अमृत महोत्सव''– विश्व साइकिल दिवस के अवसर।
11	27.06.2022 से 03. 07.2022	एल.डी.कॉलेज आफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद,गुजरात में राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन।
12	05 जून	विश्व पर्यावरण दिवस।

पर्यावरण दिवस

अटल विश्वविद्यालय एवं हरिहर परीक्षेत्र में संयुक्त रूप से विविध आयोजनः ग्लोबल वार्मिंग एवम बढ़ते प्रदूषण के लिए हम मानव ही जिम्मेदार– **माननीय कुलपति एडीएन बाजपेयी**

अटल विश्वविद्यालय रासेयो ने पौधरोपण किया एवं, संरक्षण का लिया संकल्प लिया, छात्र साइकल से पहुंचे विश्वविद्यालय। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय रासेयो द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण का कार्य किया गया, जिसमें 20 छायादार पौधों का रोपण विश्वविद्यालय में अतिथियों के उपस्थिती में किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य एडीएन वाजपेई ने सभी के सहभागिता से ऐसे ही समाज कल्याण में आगे आने की बात कही । अतिथी के रुप में उपस्थित डॉ विनोद तिवारी ने सभी युवाओं को बधाई देते हुए इस सफल आयोजन की तारिफ की। कार्यक्रम के संयोजक युटीडी रासेयो प्रभारी प्रो सुमोना भट्टाचार्य, प्रो गौरव साहू रहे । सभी ने मिलकर पौधे रोपण के साथ उनके रखरखाव संवर्धन करने की बात कही हरिहर ऑक्सीजोन वृक्षारोपण परिक्षेत्र एवं अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया । हरिहर वृक्षारोपण उद्यान में उक्त पावन दिवस पर ग्लोबल वार्मिंग एवं बढ़ते प्रदूषण में वृक्षारोपण का महत्व विषय पर चिंतन व परिचर्चा का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एडीएन बाजपेई माननीय कुलपति, विशिष्ट अतिथि डॉ विनोद तिवारी, डायरेक्टर ,संजीवनी हॉस्पिटल एवं कमल छाबड़ा, सयोंजक जल बचाओ अभियान रहे । क्षेत्र में स्थित दक्षिण मुखी हनुमानगढ़ी में अतिथियों द्वारा पूजा अर्चना के उपरांत वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के अंतर्गत मुख्य तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिवस मे 20 जुन , 2022 को" मानवता के लिए योग" विषय पर निबंध प्रतियोगिता , योग पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। 21 जुन 2022, को प्रथम सत्र रन फॉर योगा का आयोजन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी जी , विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य ए–डी–एन वाजपेयी जी, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री रोहित कुमार सिंह जी, संयोजक, राष्ट्रीय युवा चेतना उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक कुलसचिव श्री सुधीर शर्मा रहे। योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष श्री गौरव साहू रहे, सात दिवसीय ऑफलाइन सत्र आयोजित किए। इस अवसर पर निबंध, चित्रकला, भाषण, क्विज एवं विडियो निर्मिति पर प्रतियोगिता आयोजित की गई जो योग के विभिन्न आयामो पर आधारित थी ।

खेलकूद

"खेल की जीत हुई, खिलाड़ी भावना मिला देखने" – श्रीमति रश्मि आशीष सिंह

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय की मेजबानी में अखिल भारतीय सर्कल कबड्डी पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन

शासकीय ई. राघवेंद्र राव विज्ञान महाविद्यालय, सीपत रोड मैदान में किया गया था। विश्वविद्यालय व्दारा आयोजित अखिल भारतीय सर्कल कबड्डी पुरुष प्रतियोगिता में सबसे अधिक चार मैच जीतकर गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय हिसार

(हरियाणा) ने खिताब पर कब्जा किया। प्रतियोगिता में चौधरी रणबीर सिंह, विश्वविद्यालय जींद हरियाणा को द्वितीय और चौधरी, देवी लाल वि सिरसा हरियाणा की टीम तृतीय स्थान पर रही। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संसदीय सचिव रश्मि आशीष सिंह उपस्थित रहीं। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में खेल की जीत हुई है। देश के सात बड़े विश्वविद्यालय से पहुंची टीम के खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना से मैच खेला। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर विधायक श्री शैलेष पांडेय, बेलतरा विधाय क रजनीश सिंह मौजूद रहे। अध्यक्षता, कुलपति आचार्य एडीएन वाजपेयी ने की। प्रतियोगिता को सफल बनाने में कुलसचिव प्रो. सुधीर शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा.एचएस होता, सहायक कुलसचिव परीक्षा प्रदीप सिंह एवं विभिन्न महाविद्यालयों के क्रीड़ा अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शैक्षणिक भ्रमण -: पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के शिक्षण विभाग में संचालित खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी विभाग के M-Sc. एवं B-Sc- छात्रों ने देश के चर्चित स्थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया . मुख्य रूप से भाकृअनुप दृ राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान (करनाल), पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क, हरिद्वार (उत्तराखंड) और काकाजी नमकीन (करनाल)आदि स्थान शैक्षणिक भ्रमण में शामिल थे . छात्रों का भ्रमण–दल को काकाजी नमकीन,करनाल के जनरल मैनेजर विनय कटियार ने छात्रों को काकाजी में बनने वाले विभिन्न प्रकार के नमकीन के निर्माण की प्रकिया और उनसे जुड़े उपकारणों की कार्यप्रणाली समझाई । , राष्ट्रीय दुग्ध अनुसन्धान करनाल (हरियाणा) में पदस्थ सीनियर साइंटिस्ट इंजी. प्रशांत सौरव ने गाय, भैंस तथा अन्य जानवरों पर शोध के विषयो की जानकारी दी। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्रों के लिए पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क, हरिद्वार, उत्तराखंड का अनुभव उल्लेखनीय रहा . पतंजलि फूड पार्क 520 एकड़ क्षेत्र में स्थित है . वहां के शुभम जयसिंह ने जूस प्रोसेसिंग प्लांट और कैंडी प्लांट विजिट कराया . आखिर में उन्होंने पतंजलि के मुख्य औषधि भंडार में मौजूद देश के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्र उच्च कोटि की औषधियों की विस्तार से जानकारी दी . श्री शुभम ने छात्रों को पतंजलि जैसी औषधियां निर्मित करने के लिए प्रेरित भी किया ।

एयू छात्रों को हर्बल पार्क का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया

बिलासपुर , 18 मई (देशबन्धु)।अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.) के अंतर्गत विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग मे संचालित खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रोद्योगिकी विभाग मे परम सम्माननीय कुलपति अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी के मार्गदर्शन मे एवं रजिस्ट्रार सुधीर शर्मा के सहयोग के फलस्वरुप खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रोद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर यशवंत कुमार पटेल एवं अध्यपिका आस्था विठालकर द्वारा रूस्. एवं ब्रूस्. छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण हेतू देश के चर्चित स्थानों मे निम्न भाकृअनूप - राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान(करनाल), एवं पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क हरिद्वार (च),काकाजी नमकीन (करनाल) आदि शैक्षणिक भ्रमण के लिए लें जाया गया।

जिसमें सर्वप्रथम काकाजी नमकीन करनाल मे छात्रों की जिज्ञासा को देख स्वयं जनरल मैनेजर विनय कटियार नें छात्रों को काकाजी मे निर्माण होने वाले विभिन्न प्रकार के नमकीन जैसे नट क्रेकर, चिप्स, भुजिआ आदि के निर्माण के प्रकिया को विधिवत व्याख्यान कर छात्रों को उनसे जुड़े उपकरण की कार्याप्रणाली को समझाया, जो छात्रों के निकट भविष्य मे सहयोगप्रद होगा। तत्पष्यात छात्रों को देश में प्रसिद्ध दुग्ध प्रसंस्करण केंद्र राष्ट्रीय दुग्ध अनुसन्धान करनाल (हरयाणा) मे पदस्थ सीनियर साईंटिस्ट इंजी. प्रशांत सौरव मिंज के सफल मार्गदर्शन द्वारा अपने संस्था मे हो रहे गायों, भैंसों तथा अन्य जानवरों पर शोध के विषय जानकारी जी जिसमें शोध के माध्यम से गायों की दुग्ध उत्पादन की क्षमता मे अविश्वनीय वृद्धि करने का प्रयास सफल रहा एवं उत्तम स्तर के दुग्ध उत्पादन हेतू निरनंतर शोध कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त दुग्ध द्वारा निर्माण विभिन्न मिस्ठान जैसे रशगुल्ला, खोवा, खीर आदि के बनने की प्रक्रिया व उनके निर्माण हेतू उपयोग मे लाये जाने वाले उपकरण तथा उनकी गुणवत्ता से जुडी समस्त जांच की विधि भी बताते व छात्रों की उज्जवल भविष्य की कामना की अंततःसमस्त छात्रों को देश का नहीं अपितु एशिया के सबसे बड़े स्तर पर जाकर कार्य करने को लेकर प्रेरणा दिया। पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क हरिद्वार उत्तराखंड मे 520 एकड़ मे स्थित हैं लें जाया गया,पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क मे स्थित शुभम जयसिंह के द्वारा सभी छात्रों को फूड पार्क के जूस प्रोसेसिंग प्लांट के का विजिट कराया गया एवं विधिवत जूस निर्माण की प्रकिया को समझाया, तथा इसके पश्चात कैंडी प्लांट विजिट कराया गया जहाँ विभिन्न फलो से निर्मित कैंडी प्रोसेसिंग प्रक्रिया को समझाया अंततः पतंजलि के मुख्य औषधि भंडार का विजिट कराया गया ।

इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा चैप्टर बनाने की अनुमति

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय का इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा बिलासपुर छत्तीसगढ चैप्टर बनाने की अनुमति प्रदान की है। इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन ने 21 मार्च को आयोजित बैठक मे यह निर्णय लिया । इसमे इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के कार्यकारी सचिव डॉ अतुल कुमार ने इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन की अध्यक्ष की तरफ से डॉ. लतिका भाटिया , समन्वयक विश्वविद्यालय को ईमेल के माध्यम से सूचित किया। डॉ अतुल ने बताया कि बिलासपुर चैप्टर की स्वीकृति कार्यपरिषद की बैठक मे की गई। इस बैठक मे यह निर्णय लिया गया कि बिलासपुर चैप्टर की संयोजक डॉ लतिका भाटिया होगी।

संपादक मण्डल

सदस्य
डॉ. डी.एस.वी.जी.के. कलाधर
विभागाध्यक्ष,
सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं जैव सूचना विभाग
विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

संपादक
डॉ. सीमा ए. बेलोरकर
सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं जैव सूचना विभाग
विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

सदस्य
डॉ. राजकुमार सचदेव
हिन्दी विभाग,

सदस्य
ई. यशवंत कुमार पटेल
विभागाध्यक्ष,
खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

सदस्य
डॉ. एच.एस. होता
विभागाध्यक्ष,
संगणक विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग
विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

सदस्य
श्री हामिद अबदुल्ला
होटल प्रबंधन एवं आतिथ्य विभाग
विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

सदस्य
डॉ. पूजा पाण्डेय
विभागाध्यक्ष, वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग
विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

सदस्य
डॉ. सुमोना भट्टाचार्य
वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग
विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग